विद्यालंकार बी.ए. (संस्कृत ऑनर्स) तृतीय सेमेस्टर

परीक्षा, मार्च, 2022

विषय : संस्कृत

HSA-S 311

विवरण : अभिनय एवं पटकथा लेखन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 70

**नोट: प्रश्नपत्र दो खण्डों 'अ' एवं 'ब' में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड हल करना अनिवार्य है।**

**खण्ड – अ**

**(लघूत्तरीय प्रश्न)**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। (5x6=30)**

**1.** कथावस्तु के स्रोतों का वर्णन करें।

**2.** किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए।

**(क)** सूत्रधार।

**(ख)** विदूषक।

**(ग)** लोकधर्मी अभिनय।

**(घ)** नाट्यधर्मी अभिनय।

**3.** कथावस्तु की प्रकृति का चित्रण करें।

**4.** पञ्च अर्थप्रकृतियों को व्याख्यायित करें।

**5.** अर्थोपक्षेपकों को परिभाषित कीजिए।

**6.** नाट्यशास्त्र में स्त्रीपात्रों की भूमिका सुनिश्चित कीजिए।

**7.** नाट्य सन्धि किसे कहते हैं? नाम सहित बताइए।

**8.** आंगिक अभिनय के प्रकारों को बताइए।

**9.** किन्हीं दो नाट्यशास्त्रीय शब्दों को परिभाषित कीजिए-

**(क)** नर्तक।

**(ख)** नाट्यकार।

**(ग)** स्वगत।

**(घ)** आकाशभाषित।

**10.** वाचिक अभिनय की विवेचना कीजिए।

## खण्ड - ब

## (दीर्घोत्तरीय प्रश्न)

**नोट: किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विस्तृतरूप में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। (4x10=40)**

1. नाट्य कार्यावस्थाओं को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

2. निम्न में से दो बिन्दुओं पर प्रकाश डालिये।

**क.** नान्दी।

**ख.** प्रस्तावना।

**ग.** प्ररोचना।

**घ.** सर्वश्राव्य।

3. नाट्यशास्त्र के अनुसार नाटक में पात्रों की महत्ता को स्पष्ट कीजिए।

4. अभिनय के लिए सक्षमव्यक्ति के गुणों की चर्चा कीजिए।

5. भरत नाट्यशास्त्र के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।

6. संवाद किसे कहते हैं। और यह कितने प्रकार का होता है। सविस्तार बताइए।

7. पटकथा लेखन में कथावस्तु किस प्रकार उपयोगी है सिद्ध कीजिए।

8. कथावस्तु के घटकों की चर्चा कीजिए।